जगतगुरू रविदास महाराज जी

नोट : जनगणना में अपना रविदासीया धर्म ज़रूर लिखवाएँ जी

आरती

भावार्थ - सतिगुरू रविदास महाराज जी मानवता को सभी भ्रमों से मुक्त होकर हरि का पावन नाम जपने रूपी सच्ची आरती करने का पावन उपदेश देते हैं।

नामु तेरो आरती मजनु मुरारे।। हरि के नामु बिनु झूठे सगल पासारे।।१।।(रहाउ)	हे हरि जी! आपका नाम सिमरन करना ही आपकी सच्ची आरती है एवं आपको स्नान करवाना है। आप जी के नाम के बिना संसार के सभी पासारे (कारोबार) झूठे हैं।
नामु तेरो आसनो नामु तेरो उरसा नामु तेरा केसरो ले छिटकारे।।	आप जी का नाम जपना ही आरती के लिए आसन लगाना है और आप का नाम जपना ही केसर रगड़ने वाली शिला है और आपका नाम जपना ही आप पर केसर छिड़कना है।
नामु तेरा अंभुला नामु तेरो चंदनो घसि जपे नाम ले तुझहि कउ चारे।।१।।	आप जी का नाम जपना ही पानी है, आप जी का नाम ही चंदन है और आप जी का नाम ही चंदन रगड़ कर आपको चढ़ाना है।
नामु तेरा दीवा नामु तेरो बाती नामु तेरो तेलु ले माहि पसारे।।	आप जी का नाम ही आरती के लिए दीपक है, नाम रूपी बाती ही दीपक में डाली जाती है और आपका नाम ही उस दीपक में डाला गया तेल है।
नामु तेरे की जोति लगाई भइयो उजिआरो भवन सगलारे।।२।।	आप के नाम की ही ज्योति जगाई है, जिस से सब भवनों भाव खण्डों-ब्रहमण्डों में आप जी का नाम जगमगा रहा हैं भाव आप जी के नाम का प्रकाश हो रहा है।
नामु तेरो तागा नामु फूल माला भार अठारह सगल जूठारे।।	आप का नाम ही धागा है और आपका नाम ही फूलों की माला है। आपके नाम के बिना सारी वनस्पति के अठारह भार अपवित्र हैं।
तेरो कीआ तुझहि किआ अरपउ नामु तेरा तूही चवर ढोलारे।।३।।	आप जी की बनाई सृष्टि में सब कुछ आप का ही दिया हुआ है, मैं आपको क्या अर्पण करूँ? आप जी का नाम ही आप जी पर चंवर झुलाना है।
दस अठा अठसठे चारे खाणी इहै वरतणि है सगल संसारे।।	अठारह पुराणों, अठाहट तीर्थों और चारों खाणियों (अंडज, जेरज, सेतज और उतभुज) में सारा संसार विचर रहा है।
कहै रविदासु नामु तेरो आरती सतिनामु है हरि भोग तुहारे।।४।।	सतिगुरू रविदास महाराज जी उच्चारण करते हैं कि हे हरि जी! आप जी का नाम उच्चारण करना ही मेरे लिए आपकी सच्ची आरती करना है। हे हरि जी मैं सतिनाम का ही उच्चारण करके आप जी को भोग लगाता हूँ।

सतिगुरू सरवण दास जी

संत सुरेंद्र दास बावा जी

Ravidassia Dharam Parchar Asthan

Vill. Kahanpur, P.O. Raipur-Rasoolpur, Distt. Jalandhar (Punjab)

Email: ravidassiadharam@gmail.com Website: www.ravidassiadharam.org

facebook : ravidassiadharamparcharasthan

Youtube : Ravidassia Dharam Parchar Asthan, Kahanpur Jalandhar